

# आज का पुरुषार्थ 7 Oct 2022

**Source:** BK Suraj bhai

**Website:** [www.shivbabas.org](http://www.shivbabas.org)

*धारणा – “अब सभी के हिसाब-किताब चुक्तु करने का समय समीप आ पहुँचा है .. तो अब हमें हर तरह की पेपर्स क्रास करने के लिए बहुत-बहुत हल्के होकर रहना है ”*

अब समय आ गया है, अपने **सत्य स्वरूप** को पहचानकर, अपने **अन्तर्मन** में उठी हुई सभी दूषित वृत्तियों को समाप्त करने का।

यदि इस समय भी कोई मनुष्य चूक गया तो वो कभी यह काम नहीं कर पायेगा। जो कि इस समय तो स्वयं भगवान हमारे **guide** बन कर आये है। वो हमे कदम कदम पर मार्ग दिखा रहे है, हमें **शक्तियाँ** भी दे रही है।

एक विशेष चीज़ जो संसार में सभी के अनुभवों में बढ़ती जा रही है और बढ़ती जायेगी कि, सभी के अंदर बहुत दूषित वृत्तियाँ, कामुक वृत्तियाँ, negative feelings और जन्म जन्म के विकर्मों का effect emerge होने लगा है।

न चाहते भी अनेक व्यर्थ संकल्प मनुष्य को अपने जपेट में लेते जा रहे है। बहुत सारी बढ़ती हुई बीमारियाँ और सम्बंधों में बढ़ते हुए unnecessary टकराव इस बात के द्योतक है के अब सभी के हिसाब-किताब चुक्तु करने का समय समीप आ पहुँचा है।

बाबा ने कभी कहा भी था एकदिन आयेगा तुम सब **अनुभव करोगे** सबके **हिसाब-किताब चुक्तु करने की गॉडली मिशनरी** बहुत तेजी से और सूक्ष्मता से काम करेगी। उस समय पर हम पहुँच गए है।

इसलिए हमें बहुत अच्छा अभ्यास करना है। एक ही शब्द याद रहे →  
"NO EFFECT"

कोई बूरा बोलता है, कोई insult करता है, कोई आपके भावनाओं को hurt करता है .. उसे बहुत lightly लेना है।

क्योंकि आपने अपने अंदर अगर उसको रख लिया तो आपकी ब्रेन की अनेक शक्तियाँ डैमेज हो सकती है। नष्ट हो सकती है। इसका कारण यही है कि .. Brain पहले ही सभी का बहुत विक हो चुका है।

जो आत्मायें बहुत पुरानी है, जिन्होंने अनेक जन्म लिए हैं .. उनके मस्तिष्क काफ़ी कमजोर स्थिति में है। इसलिए अगर बहुत हल्का रहेंगे तो बातें भी बहुत हल्के होकर समाप्त हो जायेगी।

दूसरा .. स्वयं को **ईश्वरीय खुशी** से भरपूर रखकर चलना है। अगर हम स्वयं को रोज सवेरे चार्ज ही नहीं करेंगे .. योग से, श्रेष्ठ ज्ञान से, सुन्दर **संकल्पों** से या **स्वमान** से .. तो हम इस कलियुगी वातावरण में खुश नहीं रह पायेंगे।

और अगर हम खुश नहीं रहेंगे तो अनेक negative बातों का effect हमारे ऊपर आता रहेगा। तो हम समय की नाजुकता को पहचानकर स्वयं को खुशी से भरपूर करें। खुशी के कुछ बहुत सारे संकल्प अपने पास नोट रखा करें। और बीच-बीच में उनकी स्टाडि करते रहे।

साथ में **बहुत हल्का रहना है**। हल्का रहना संगठनों में आजकल सरल काम नहीं है। लेकिन जो **आत्मायें स्वमान** में बहुत रहती है, जो बाबा को अपना **जिम्मेदार** समझकर चलती है, और जो अपने **सत्य स्वरूप** में स्थित रहकर चलती है।

वह दुसरोँ से मान-सम्मान की कामना नहीं करती। दुसरे एप्रिसियेट करे इसकी भी कामना नहीं करती। इसलिए वह बहुत अच्छी स्थिति में रहती है।

तो हमें फ़रिश्ता बनना है। ऐसे अभ्यास में हम रहेंगे →

" मैं चमकती हुई तेजस्वी आत्मा हूँ.. और मेरा यह देह भी प्रकाश की देह में बदल गया है.. और मेरे अंग अंग से रंग बिरंगी प्रकाश की किरणें फैल रही है.. मैं फ़रिश्ता पूर्ण स्वतन्त्र हूँ.. बंधन मुक्त हूँ.. उड़ कर कहीं भी जा सकता हूँ "

और बार-बार उड़ कर कहीं जाकर सकाश देकर आयेंगे .. आज सारा दिन यह अभ्यास चलेगा।

॥ ओम शान्ति ॥

**BK Google:** [www.bkgoogle.org](http://www.bkgoogle.org)

**Website:** [www.shivbabas.org](http://www.shivbabas.org)